

Padma Shri



SHRI T. SENKA AO

Shri T. Senka Ao is an eminent personality in the field of media literature, education, social work and highly regarded for his contribution during communal feud and crises. He hails from Mokokchung District in the North Eastern State of Nagaland.

2. Born on 6th June, 1945, Shri Senka graduated in 1969 from St. Anthony's College, Shillong under Guwahati University.

3. Shri Senka is best known for his work as the Editor-in-Chief of the "Ao Milen" for twenty years, the first newspaper in Nagaland established in 1933 and the first newspaper ever to be published in the local Ao language. During the period of his editorship, he created the "Alokba" character famous for his witty commentary on social and current issues. He has contributed several articles to various publications and has authored ten books in the Ao language. Two of his books Kongro Lijen (The Abode of the Maidens) and Kishi Teztilen (Off the Doorway) are in the process of translation into English. His eleventh book, Akfitnlir Longkong (Mortal Trails) is in press.

4. Shri Senka has also contributed tremendously in the field of Education. He was the Joint Secretary in the Voluntary Adult Education Campaign in Mokokchung District (1975-1979). He was also the founder of the Model Night School at Mokokchung in 1972. The school was started to felicitate the surrendered underground groups of Nagaland who desired for the continuation of their educational career. The school successfully enrolled many underground personnel. At present the school felicitates the housewives, house helpers and less privileged people for their education. His books have been included in the syllabus of the Ao language in ICSE and ISC Board New Delhi, and up to class 10 under Nagaland Board of School Education. He is an examiner of Arrangtet Examination which is the highest Ao language degree.

5. Shri Senka has been pivotal in bringing peace and understanding between the warring rivals during many communal crises and feuds. He was a member of Peace Committee in solving communal feud between Ao Tribe and Sema Tribe in 1981, a member of Peace Committee 1985 when the Nagas and Assam people had violent confrontation at Merapani. He was pivotal in the formation of Joint People Forum having representation from both Nagaland and Assam in collaboration with District Administration.

6. Shri Senka is the recipient of Nagaland Governor's Award in Literature in the year 2016.

पद्म श्री



श्री टी. सेनका आओ

श्री टी. सेनका आओ मीडिया, साहित्य, शिक्षा, सामाजिक कार्य के क्षेत्र में एक प्रख्यात व्यक्ति हैं तथा सांप्रदायिक विवाद और अशांति के दौरान सौहार्द कायम करने में योगदान के लिए उनका अत्यधिक सम्मान किया जाता है। वह उत्तर पूर्वी राज्य नागालैंड के मोकोकचुंग जिले के रहने वाले हैं।

2. 6 जून, 1945 को जन्में, श्री सेनका ने 1969 में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के अधीन सेंट एंथोनी कॉलेज, शिलांग से स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

3. श्री सेनका बीस वर्षों तक "ए ओमिलेन" के प्रधान संपादक के रूप में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। यह 1933 में स्थापित नागालैंड और स्थानीय एओ भाषा में प्रकाशित होने वाला पहला समाचारपत्र है। सम्पादक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने सामाजिक और समसामयिक मुद्दों पर अपनी हास्यप्रद टिप्पणियों के लिए प्रसिद्ध "आलोकबा" पात्र की रचना की। उन्होंने विभिन्न प्रकाशनों के लिए अनेक लेख लिखे हैं और एओ भाषा में दस पुस्तकें लिखी हैं। उनकी दो पुस्तकें कोंगो लिजेन (कुमारी लोक) और किशी तेज़टिलन (दरवाजा बंद कर दो) का अंग्रेजी में अनुवाद किया जा रहा है। उनकी ग्यारहवीं पुस्तक, अक्विटनलर लोंगकोंग (नश्वर निशान) अभी प्रेस में है।

4. श्री सेनका ने शिक्षा के क्षेत्र में भी व्यापक योगदान दिया है। वह मोकोकचुंग जिले में स्वैच्छिक प्रौढ़ शिक्षा अभियान (1975–1979) के संयुक्त सचिव थे। वह 1972 में मोकोकचुंग में मॉडल नाइट स्कूल के संस्थापक भी थे। स्कूल को नागालैंड के आत्मसमर्पण करने वाले उन भूमिगत समूहों को सम्मानित करने के लिए शुरू किया गया था, जो शिक्षा जारी रखना चाहते थे। स्कूल में कई भूमिगत कर्मियों को सफलतापूर्वक प्रवेश दिया गया। वर्तमान में स्कूल गृहिणियों, गृह सहायकों और पिछड़े हुए लोगों को उनकी शिक्षा के लिए सम्मानित करता है। उनकी पुस्तकों को आईसीएसई और आईएससी बोर्ड नई दिल्ली के एओ भाषा के पाठ्यक्रम में और नागालैंड बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन के तहत कक्षा 10 तक के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। वह एओ भाषा की सर्वोच्च डिग्री अरेंजेटेड परीक्षा के एक परीक्षक हैं।

5. श्री सेनका की, कई सांप्रदायिक अशांति और विवाद के दौरान युद्धरत प्रतिद्वंद्वियों के बीच शांति और समझ पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वह एओ जनजाति और सेमा जनजाति के बीच 1981 के सांप्रदायिक विवाद को सुलझाने वाली शांति समिति के सदस्य थे और 1985 में मेरापानी में नागा और असम के लोगों के हिंसक टकराव के दौरान शांति समिति के सदस्य थे। जिला प्रशासन के सहयोग से नागालैंड और असम दोनों के प्रतिनिधित्व वाले संयुक्त जन मंच के गठन में उनका अहम योगदान था।

6. श्री सेनका को वर्ष 2016 में साहित्य में नागालैंड का राज्यपाल पुरस्कार प्रदान किया गया है।